सिंह राशि

सिंह राशि का स्वामी सूर्य है। इस राशि में जन्म लेने वाला जातक सुन्दर-पुष्ट शरीर वाला होता है। देश-विदेश में भ्रमण करने वाले, प्रत्येक कार्य उच्च स्तर पर करने वाले प्रत्येक कार्य को बड़े आत्मविश्वास के साथ बड़े स्तर पर करना पसन्द करते हैं। ये बड़े ही स्पष्टवादी, खुले विचार के और महत्वाकांक्षी होते हैं। आर्थिक स्तर पर प्रायः भाग्यशाली होते हैं। सत्यता के किसी मामले में प्रायः सफलता मिलती है, पर इन्हें अपने खर्चीले स्वभाव पर रोक लगानी चाहिये।

इस राशि पर शनि की साढ़े साती का प्रभाव अभी भी वर्ष भर बना है, परन्तु जनवरी में सूर्य के पंचम स्थान पर होने से किसी नये विषय के प्रति रुचि होगी। १४ जनवरी से १२ फरवरी तक राशि स्वामी सूर्य मकर में जायेंगे। ऐसे में बनते कार्य में विलम्ब तथा शत्रु वृद्धि होगी। ऐसे में हो सके तो क्रोध पर नियन्त्रध रखें। आगे भी सूर्य के १४ मार्च से १३ अप्रैल तक आठवें स्थान में होने से स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। निर्वाह योग्य आय के योग रहेंगे। इस वर्ष देव गुरु बृहस्पति आपकी राशि में सप्तम स्थान पर हैं, यह स्थिति मई तक रहेगी। इस समय आपके मान-सम्मान, प्रभाव व पराक्रम में वृद्धि होगी। इस वर्ष घर में कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। धर्म-कर्म से जुड़े कोई भी काम जैसे मन्दिर बनाना आदि हो सकता है, जिससे आपको प्रसंशा मिलेगी।

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष तो ठीक ही है, स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा ही रहेगा, फिर भी नवम्बर-दिसम्बर में गुरु का अष्टम संचरण पेट सम्बन्धी विकार दे सकता है। घर-मकान आदि की सजावट पर आप व्यय कर सकते हैं। वाहन-गाड़ी भी खरीदने का भी योग बन रहा है। इस वर्ष पारिवारिक सुख में तनाव और क्लेश का वातावरण रहेगा। यह सब शनि की द्वितीय स्थान पर स्थिति का प्रभाव है। स्त्री के सुख और स्वास्थ्य के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा। सन्तान की चिन्ता, विद्या व विवाह की चिन्ता मुख्य रूप से सतायेगी। व्यापारिक कार्यक्षेत्र में व सफलता के लिए सामान्यतया वर्ष शुभ है। एकादश भाव में केतु श्रेष्ठ माना गया है, धन-सम्पत्ति देगा तथा सौभाग्य में वृद्धि करेगा, व्यापार में अशातीत उन्नति देगा, साथ में जो लोग राजनीति में हैं, उनको भी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी, मान-सम्मान में वृद्धि होगी। प्यार में अत्यधिक सफलता मिलेगी, सम्बन्धियों व मित्रों का सहयोग भी आपके प्रति रहेगा। नये-नये लोगों से सम्बन्ध बनेंगे, जो आगे चलकर लाभकारक सिद्ध होगा। इस वर्ष यात्रा में सावधानी रखें, यात्रा के मध्य कोई कष्ट हो सकता है।

इस वर्ष के लिए विशेष उपाय- २०१० ई० में सिंह राशि वालों के लिए उपाय निम्न प्रकार से है-

1. शनि की साढ़ेसाती के कारण अशुभ प्रभावों को कम करने के लिए शनिवार के दिन शनि मन्दिर में तेल चढ़ाना तथा दशरथ कृत शनि का स्तोत्र पाठ करना शुभ होगा।
2. ४३ दिन तक निरन्तर नंगे पांव मन्दिर जाकर अपनी भूल के लिए ईश्वर से क्षमा-याचना करें।
3. उड़द, काली मिर्च, चन्दन की लकड़ी मन्दिर में दान दें।
4. कृष्ण पक्ष के शनिवार को एक सूखा नारियल लेकर काला धागा बांधकर अपने ऊपर से उतारकर बहते पानी में बहाएं।